Seventeenth Loksabha

an>

Title: The Speaker appealed to the Members to maintain decorum and dignity of the House.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यों, मैं आपसे अन्तिम दिन आग्रह कर रहा हूं, आपसे मेरी बहुत अपेक्षा है सदन चलाने की। आप प्रयास करें कि सदन चले, सदन में अपनी बात कहने का मौका दें। मैंने आज सुबह आपको कहा था कि मैं आपको पर्याप्त समय और पर्याप्त अवसर दूंगा। आप सदन की गरिमा और आचरण को बनाए रखें। इस सदन की गरिमा और आचरण आप सबका है, सदन आप सबका है। आप यहां चर्चा और संवाद के लिए आते हैं, एक अच्छी चर्चा हो, संवाद हो, आप अपने क्षेत्र के महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन में रखें, ताकि सदन ठीक से चले। मैं हर विषय पर, आप जो भी विषय या मुद्दा उठाना चाहेंगे, आपको पर्याप्त समय और पर्याप्त अवसर दूंगा।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हमें यह कोशिश करनी चाहिए कि हम किस तरीके से सदन को मर्यादित कर सकते हैं और जनता की अपेक्षाएं-आकांक्षाएं इन सदनों के माध्यम से पूरी कर सकते हैं।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मेरा आपसे पुन: आग्रह है कि आप लोग अपनी सीट्स पर विराजें। मैं आपको पर्याप्त समय और पर्याप्त अवसर हर मुद्दे पर दूंगा। बालू जी का मुद्दा है, एन.के. प्रेमचन्द्रन जी का मुद्दा है, हमारे वकील साहब, उनका आजकल गला खराब हो गया है, उनका महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई लोग बोलना चाहते हैं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप लोग अपनी सीट्स पर जाएं। आप अपने क्षेत्र के जितने भी बुनियादी सवाल हैं, मुद्दे हैं, उनके बारे में बोलने के लिए जितना समय चाहेंगे, उतना समय और मौका दूंगा। अगर आप चाहते हैं कि सदन चले, सदन आप सबका है, अगर आप सभी लोग चाहेंगे तो मैं सदन

चलाऊंगा और आपकी अपेक्षाओं-आकांक्षाओं को भी पूरा करूंगा। क्या आप लोग बैठना चाहते हैं?

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

11.48hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock

-

14.00 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Fourteen of the Clock.

(Shri Rajendra Agrawal *in the Chair*)